भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर में मनाया गया विश्व मानक दिवस 2025: 'लक्ष्यों के लिए साझेदारी' पर जोर

भुवनेश्वर, 11 अक्टूबर 2025: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर और भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने अनुसंधान और उद्यमिता पार्क, आईआईटी भुवनेश्वर के सहयोग से "बेहतर दुनिया के लिए साझा दृष्टिकोण: लक्ष्यों के लिए एसडीजी 17-साझेदारी पर स्पॉटलाइट" विषय पर मानक महोत्सव-2025 का आयोजन करके विश्व मानक दिवस 2025 मनाया। इस कार्यक्रम में नवाचार, स्थिरता और सामूहिक विकास को बढ़ावा देने में मानकों की भूमिका को उजागर करने के लिए प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के नेताओं को एक साथ लाया गया।

इस उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में श्री कृष्ण चंद्र पात्रा, माननीय कैबिनेट मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता कल्याण विभाग, ओडिशा सरकार उपस्थित थे। अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों में प्रोफेसर (डॉ.) संजय कुमार नायक, कुलपति, रेवेनशॉ विश्वविद्यालय; डॉ. अनुप कुमार, मुख्य वैज्ञानिक सेवाएँ, टाटा स्टील लिमिटेड; और श्री अक्षय कुमार पुरोहित, वरिष्ठ निदेशक, बीआईएस भुवनेश्वर शाखा उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, माननीय मंत्री श्री पात्रा ने कहा: "मानक किसी राष्ट्र की प्रगति के पीछे की मूक शक्ति हैं। वे सुनिश्चित करते हैं कि नवाचार विश्वसनीय है, प्रौद्योगिकी सुरक्षित है, और उपभोक्ता का विश्वास मजबूत बना हुआ है। जैसे-जैसे ओडिशा विज्ञान और प्रौद्योगिकी का केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, आईआईटी भुवनेश्वर और बीआईएस जैसे संस्थानों के बीच सहयोग गुणवत्ता और स्थिरता की संस्कृति के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है जो हमारे राष्ट्रीय और वैश्विक लक्ष्यों के अनुरूप है।"

अपने संबोधन में, प्रो. श्रीपाद कर्मलकर ने कहा: "मानक प्रगति के गुमनाम नायक हैं - वे विश्वास का निर्माण करते हैं, गुणवत्ता सुनिश्चित करते हैं और सीमाओं के पार नवाचार को सक्षम बनाते हैं। आईआईटी भुवनेश्वर में, हम मानक साक्षरता को बढ़ावा देने और गुणवत्ता, सुरक्षा और साझा समृद्धि द्वारा परिभाषित भविष्य को आकार देने के लिए शिक्षा और अनुसंधान में मानकीकरण को एकीकृत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

प्रोफेसर (डॉ.) संजय कुमार नायक ने कहा: "मानक नवाचार और औद्योगिक विकास की रीढ़ हैं। मानक निर्माण की प्रक्रिया में छात्रों, शोधकर्ताओं और उद्योग को एक साथ लाने से यह सुनिश्चित होगा कि भारत के मानक हमारी अपनी वैज्ञानिक ताकत और स्थिरता लक्ष्यों को दर्शाते हैं।"

अपने संबोधन में, श्री पुरोहित ने कार्यक्रम का विषय पेश किया और कहा: "अपने शोध को विश्व स्तर पर प्रासंगिक बनाने के लिए, हमें हर प्रयोग और नवाचार को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के साथ जोड़ना होगा। ऐसे मानक बनाने के लिए शिक्षा, उद्योग और बीआईएस के बीच सहयोग आवश्यक है जो वास्तव में भारत की जरूरतों और शक्तियों को दर्शाते हैं।"

टाटा स्टील के डॉ. अनुप कुमार ने भी मानकों के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा: "स्वायत्त गतिशीलता से लेकर अंतरिक्ष अन्वेषण तक प्रगति के लिए मानकीकरण आवश्यक है। लेकिन जबकि बाकी सभी चीजों को मानकीकृत किया जा सकता है, मानव दिमाग को हमेशा रचनात्मक रहना चाहिए।"

दिन का मुख्य आकर्षण छात्रों और स्टार्ट-अप द्वारा बीआईएस डिजिटल डिस्प्ले और प्रदर्शनी का उद्घाटन था। इस पहल का उद्देश्य छात्रों, शोधकर्ताओं और उद्योग के पेशेवरों के बीच मानकों के बारे में जागरूकता और पहुंच को मजबूत करना, परिसर में गुणवत्ता और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

प्रारंभ में, कार्यक्रम के संयोजक डॉ. पलास रॉय ने गणमान्य व्यक्तियों का परिचय दिया और सभा का स्वागत किया। कार्यक्रम का समापन संयोजक डॉ. मानस रंजन पटनायक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम का आयोजन प्रो उमाप्रसना ओझा की अध्यक्षता एवं डॉ. नरेश चंद्र साहू एवं डॉ. शुभंकर पति की सह-अध्यक्षता में किया गया।

इस कार्यक्रम में तकनीकी वार्ता, पैनल चर्चा और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए रचनात्मक, टिकाऊ और मानक-आधारित समाधानों को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक आइडियाथॉन शामिल था। स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए आयोजित एक विज्ञान प्रदर्शनी में नवीन विचारों और परियोजनाओं का प्रदर्शन किया गया, जिसमें सबसे उत्कृष्ट प्रविष्टियों को पुरस्कार और मान्यता मिली।